नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में गुरुवार को अभिविन्यास कार्यक्रम उदघाटित

दूर शिक्षा के माध्यम से गांव-गांव तक पहुँचे उच्च शिक्षा – प्रो. चंद्रकांत रागीट

वर्धा, दि. 9 जनवरी 2020 :महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने सन 2007 से दूर शिक्षा के माध्यम से अनेक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए हैं। देशभर के 85 सामान्य अध्ययन केंद्रों और 46 बी.एड. केंद्रों के माध्यम से 16 पाठ्यक्रम दूर शिक्षा के माध्यम से हिंदी में चलाएं जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के पास 28 विषयों में पाठ्यसामग्री उपलब्ध हैं। दूर शिक्षा के माध्यम से देश के हर गांव तक उच्च शिक्षा की पहुँच आसान करने

की दिशा में विश्वविद्यालय प्रयासरत है। उक्त बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट ने कही।

प्रो. रागीट ने बताया कि आगामी वर्ष से दूर शिक्षा के माध्यम से बी. ए. स्तर के पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि ज्ञान का हस्तांतरण होना जरुरी है और नई शिक्षा नीति के अनुसरण में गुरु-शिष्य परंपरा को मजबूत बनाकर मूल्य शिक्षा भी आवश्यक है। दूर शिक्षा के पाठ्यक्रम कौशल विकास पर आधारित हों और इस के लिए पैरामेडिकल जैसे के पाठ्यक्रम पढ़ाएं जा सकते हैं। गांधी जी के 'समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा की पहुँच हो' उक्त सिद्धांत का उल्लेख करते हुए प्रो. रागीट ने कहा कि गांव के किसान, श्रमिक आदि के विकास के लिए हिंदी भाषा में पाठ्यक्रमों को शामिल किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

दूर शिक्षा निदेशालय की ओर से गुरुवार दि. 09 जनवरी को देशभर के अभ्यास केंद्रों के संचालकों के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम के उदघाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. रागीट बोल रहे थे।

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा विश्वविद्यालय के कुलगीत से कार्यक्रम का उदघाटन किया गया। कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य दूर शिक्षा निदेशालय के प्रभारी प्रो. के. के. सिंह ने दिया। उन्होंने कहा कि दूर शिक्षा से शिक्षा प्रदान करने में चुनौतियाँ

काफी है परंतु तकनीकी की मदद से हम इसका मुकाबला कर सकते हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रवींद्र बोरकर ने रखी। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. अमित राय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पीयूष पातंजलि ने प्रस्तुत किया। अभिविन्यास कार्यक्रम में महाराष्ट्र, राजस्थान,मध्य प्रदेश, मिज़ोरम, उत्तर प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के अभ्यास केंद्रों के संचालक शामिल हुए।

उदघाटन समारोह के बाद 'प्रवेश एवं पाठ्य सामग्री प्रेषण से संबंधित विषय पर चर्चा' की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एम. एम. मंगोड़ी ने तथा सह-अध्यक्षता सहायक प्रोफेसर डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा ने की। सहायक प्रोफेसर श्री संदीप सपकाले ने विषय का परिचय कराया। दूसरे सत्र में परीक्षा से संबंधित विषय पर चर्चा हुई। अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पीयूष पातंजलि तथा सह अध्यक्षता डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा ने की। तृतीय सत्र में 'विद्यार्थी सहायता, दूरस्थ शिक्षा अधिनियम 2017 पर चर्चा की गयी। सत्र की अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रवींद्र बोरकर तथा सह अध्यक्षता सहायक प्रोफेसर डॉ. शंभू जोशी ने की। सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेश मरजी कदम ने वक्तव्य प्रस्तुत किया।